

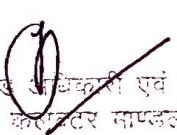

फय अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी, माण्डल

केलारा बनाम कन्हैयालाल (वगैरा)

किसम मुकदमा प्री. का 111-128 नं० 23 सन 2021

दिनांक	हुकम या कारवाही मय इनिशियलज जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
8-2-21	वाद / प्रार्थनापत्र वाद जाँच प्रस्तुत हुआ दर्ज रजिस्टर किया जाकर दिनांक 8-2-21 को सम्मन नोटिस जारी किये जाते । पत्रावली दिनांक 9-3-21 को पेश हो ।  उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक क्लर्क माण्डल	
9-3-21	उभय पक्ष न्यायिक कार्य से बाहर हैं। अवकाश पर हैं / पदरिक्त हैं। अतः पत्रावली दिनांक 9-3-21 को पेश हो । रीडर उपखण्ड अधिकारी माण्डल	
30-4-21	पत्रावली पेश हुई, अभिभावकगण द्वारा न्यायिक कार्य स्थगित/बुझकार रखने से पत्रावली दिनांक 30-4-21 को पेश हो ।	
18-5-21	उभय पक्ष न्यायिक कार्य से बाहर हैं। अवकाश पर हैं / पदरिक्त हैं। अतः पत्रावली दिनांक 18-5-21 को पेश हो । रीडर उपखण्ड अधिकारी माण्डल	
29-6-21	पत्रावली पेश हुई, अभिभावकगण द्वारा न्यायिक कार्य स्थगित/बुझकार रखने से पत्रावली दिनांक 29-6-21 को पेश हो ।	
10-11-21	पत्रावली प्रशासन गाँवों के संग अभियान 2021 के माण्डल में पेश हुई, अप्रार्थीगण के सम्मन बाद तामील होकर प्राप्त हुए एवं परिवार हक परवारी भांडल	

तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो
हुकम की तारीख
में जारी हुए

की रिपोर्ट पेश हुई जिसे शामिल पत्रावली किया
गया। प्रार्थना का प्रार्थना पत्र बंदी कर दिया जाकर निर्णय
पृष्ठक से खिंचा जाकर शामिल पत्रावली दिया गया।
पत्रावली फैलल शुमार होकर नम्बर से कम हो।

डॉ. 

उपस्थित के माध्यम
प्रशासन मंत्रालय के कार्यालय 2021

पत्र
रूप
कमि
बिन्दु

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, मांडल (भीलवाड़ा)

पीठासीन अधिकारी :- डॉ. पूजा सक्सेना, आर. ए. एस.

मुकदमा संख्या :- 23/21 प्रा.पञ

1- श्री कल्याण सो. श्री कापुराम बाहाण निवासी- मांडल तहसील
--प्रार्थी

बनाम

1- श्री कल्याण सो. श्री कापुराम बाहाण निवासी- मांडल तहसील
--विपक्षीगण
(सहोदरों का समूह)

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा.भू.रा.अधि. 1956

::आदेश::

दिनांक 10.11.21

प्रार्थी की ओर से एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा. भू.रा. अधिनियम 1956 के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया कि ग्राम..... मांडल..... पटवार हल्का..... मांडल..... तहसील मांडल/में उसके

खाते /संयुक्त खातों की आराजी नं..... 2932..... कुल किता 01.....

रकबा..... 0.7208 हेक्टेयर..... स्थित है। वादग्रस्त भूमि के विपक्षीगण के मध्य आराजी मुतदायिवा के सीमा चिह्न नहीं होने से आये दिन सीमा संबंधी विवाद उत्पन्न होता रहता है। जिसमें प्रार्थी अपने खाते

/संयुक्त खाते की भूमि की पत्थर गद्दी के आदेश प्रदान कराये जावें।

प्रस्तुत प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में दिनांक..... 8.2.21..... को पंजीबद्ध किया जाकर प्रकरण को अवलोकनार्थ से यह बात सिद्ध है कि वाद ग्रस्त भूमि प्रार्थी के खाते एवं कब्जे काशत की होने से पत्थरगद्दी करने का

अधिकारी है। वैसे भी इस प्रकार के आदेश से अधिकार अभिलेख में किसी प्रकार की हैरा-फैरी होने का अंदेशा

नहीं है तथा न किसी प्रकार अधिकार निर्धारित किये जाते हैं। अतः इन तथ्यों को देखते हुये नैसर्गिक की न्यायिक सिद्धान्त के आधार पर आवेदन पत्र प्रार्थी स्वीकार योग्य है।

:: आदेश ::

प्रार्थी का प्रार्थना धारा 111-128 लैण्ड रेवेन्यू एक्ट 1956 का स्वीकार किया जाकर ग्राम..... मांडल.....

पटवार हल्का..... मांडल..... तहसील मांडल में स्थित आराजी नं..... 2932.....

..... कुल किता 01..... रकबा..... 0.7208 हेक्टेयर.....

भूमि के चारों तरफ सीमा की पुख्ता जानकारी किये जाने हेतु पत्थरगद्दी किये जाने का आदेश दिया जाता है। पत्थरगद्दी किये जाने हेतु भू अभिलेख निरीक्षक..... मांडल..... को 500/-

रूपये कमिश्नर फीस पर कमिश्नर नियुक्त किया जाता है। कमिश्नर फीस प्रार्थीगण मौके पर जमा करावें। कमिश्नर फीस जमा होने पर पक्षकारान की मौजूदगी में मौके व कब्जे की यथास्थिति को बनाये रखते हुए मुस्तकील बिन्दु को आधार मानकर पत्थरगद्दी की जावें। फसल खड़ी होने पर पत्थर गद्दी नहीं की जावे।

उपखण्ड अधिकारी

मांडल, जिला-भीलवाड़ा

प्रतिलिपि :- तहसीलदार मांडल को भेजकर लेख है कि प्रार्थी द्वारा राशि जमा कराने पर नियमानुसार पत्थरगद्दी की जाकर पालना रिपोर्ट 7 दिवस में प्रस्तुत करें।

उपखण्ड अधिकारी

मांडल, जिला-भीलवाड़ा

प्रस्तुत करने के लिए अक्टूबर 2021